सही बातें
प्रगति

आशीषानुकंपा
शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार
श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

प्रकाशक

समर्पण समूह
जैन वचन सदा वदे

आशीषानुकंपा

शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

संपादन / सहयोग

श्रुतप्रिय श्रमण अप्रमितसागर जी मुनिराज
सहजानंदी श्रमण सहजसागर जी मुनिराज

कृति का नाम

सही बातें

प्रगति

संस्करण

2023 : 1008 प्रतियाँ

प्राप्ति स्थान

भोपाल : 91790-50222

जबलपुर : 98276-07171

इन्दौर : 98260-10104

इन्दौर : 94253-16840

भीलवाड़ा : 63766-49881

आकल्पन एवं मुद्रण

डीसेन्ट ग्राफिक्स इंदौर

मो. 98260-14047

शुभाशीष...

वस्तु स्वभाव में परिणामी एवं अपरिणामी है। द्रव्य-दृष्टि से अपरिणामी व पर्याय दृष्टि से परिणामी, पर जो इस सत्य को नहीं जानता वह दूसरे के लिए बोलता है - अमुक व्यक्ति बदल गया, जबकि वह स्वयं भी बदला है। एक-ही समय में परिणाम व अपरिणाम धर्म विद्यमान रहता है, इस **सही बात** को जो जानता है, वह सत्यज्ञाता पर में दोषों का अन्वेषण नहीं करता है, अपितु वस्तु के वस्तुत्व को सम्यक् जानकर मध्यस्थ हो जाता है।

इसी भावना से ओत-प्रोत **तत्त्वान्वेषी श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी ने "सही बातें"** नामक कृति का सृजन कर वागीश्वरी के कोष को वर्धमान किया है। वे इसी प्रकार सम्यक् श्रुताभ्यास पूर्वक साहित्य-सृजन कर के संस्कृति का संवर्धन करें, यही शुभाशीष है।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

शताब्दी देशनाचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी मुनिराज

मेरी बात–सही बात

अनेकों चिंतकों ने अपने अभिनव, अभिजात और आत्मोन्मुखी चिंतन से इस भारतीय तत्त्वमनीषा के वाड्मय को सुसंवर्धित किया है । वही चिंतन समीचीन-चिंतन कहलाता है, जो सिद्धांत, तर्क और पूर्वाचार्यों की कथनी से मेल खाता है।

हर व्यक्ति की बातें सही नहीं होती और हर व्यक्ति की बातें गलत भी नहीं होती, कई बार समझने का नज़रिया भी गलत होता है। इस कृति के सृजन का हेतु ऐसे ही कुछ गलत नज़रियों को सही करना है।

विश्ववंद्य प्रभु वर्धमानस्वामी के अहिंसामय सत्यार्थ सिद्धांत जन सामान्य तक पहुँचाने के लिये शब्द और भाषा दोनों ही जनपद संबंधी होना अनिवार्य है । इसी कारण से यह सृजन गुरुप्रसाद, आगमाध्ययन, स्वानुभव और स्वयुक्ति के साथ-साथ सुगम शब्द और भाषा से मैंने अभिसिंचित किया है।

आशा है लघुकृत्य के रूप में प्रस्तुत मेरी कुछ **सही बातें** चिरकाल से प्रचलित गलत बातों को चिरकाल तक सही रखने में सहायक बनेगी।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

सही बातें
प्रगति

आप अपनी अच्छाइयों का
जितना अभिमान करेंगे,
आपके अंदर
उतनी ही बुराइयाँ जन्म लेती जायेंगी,
अच्छे बनें
परंतु
अच्छाइयों का अभिमान कभी न करें।
सही बात है-
अभिमान सबसे बड़ा रोग है
जिसे ये रोग लगता है
उसका काम तमाम है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

चेहरे की हसी से
गम को भुला दो,
कम बोलो
पर सब कुछ बता दो,
स्वयं दु:खी होने पर भी
सबको हसा दो;
यही अंदाज़ है ज़िन्दगी जीने का
खुद जियो और दूसरों को जीना सिखा दो।

सही बात है-

जिसे जीने की कला आती हो
वही दूसरों के लिये प्रेरणा बन पाता है,
जिसे स्वयं जीना नहीं आता
वो दूसरों को क्या जीना सिखा पायेगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

अपने अंदर मैत्री को स्थान दें
घृणा, ईर्ष्या या धोखेबाजी को नहीं,
क्योंकि
जिसके अंदर घृणा है
उसके लिये सारा जगत शत्रु हो जाता है,
जिसके अंदर मैत्री है
उसके लिये सारा जगत मित्र हो जाता है।

सही बात है-

जहाँ अधिक देर तक कीचड़ रहता है
वहाँ से बदबू आने लगती है,
जहाँ अधिक देर तक घृणा रहती है
वहाँ से पुण्य जाने लगता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

ईर्ष्यालू को
अपनी असफलता पर
कभी दु:ख नहीं होता,
ईर्ष्यालू को तो
दूसरों की सफलता पर दु:ख होता है,
अगर आपको
किसी की सफलता देखकर दु:ख हो रहा है
तो समझ लेना आप ईर्ष्यालू हैं।

सही बात है-

बीच-बीच में
अपना आकलन स्वयं करते रहें,
अवगुण बढ़ें तो बचें
गुण बढ़े तो बच-बचकर जिये ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

जो आपने खो दिया है
उसकी तरफ कभी न देखें,
देखना है तो उसे देखें
जो आपके पास शेष बचा है,
क्योंकि
ज़्यादा की चाह में
नये की खोज में
कई बार आपके पास कुछ नहीं बचता है।
सही बात है-
पहले जो आपके पास है
उसकी रक्षा करें,
फिर नये और ज़्यादा की चाह के लिये
घोर परिश्रम करें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

आज के लोगों के पास
धन, दौलत, गाड़ी, वैभव, संबंधी, संपत्ति
सब कुछ है,
मगर शान्ति नहीं है,
मेरा मानना है–
जिसके पास शान्ति नहीं है
उसका सब कुछ पाना और न पाना
बराबर ही है।

सही बात है–
सुख की नहीं, शान्ति की खोज करें,
जिसके जीवन में शान्ति नहीं है
उसके जीवन में सुख नहीं है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें

प्रगति

आपका मित्र
अमीर है या गरीब
यह महत्त्वपूर्ण नहीं है,
आपका मित्र
मुसीबत में आपके साथ है या नहीं
यह महत्त्वपूर्ण है;
अमीरी में बने रिश्ते
गरीबी में टूट जाते हैं,
समर्पण से बनें रिश्ते ही
हमेशा काम आते हैं।

सही बात है–

दीपक सोने का है या मिट्टी का
यह महत्त्वपूर्ण नहीं है,
वह दीपक रोशनी कितनी देता है
यह महत्त्वपूर्ण है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

स्वयं पर भरोसा रखें
दूसरों पर नहीं,
क्योंकि
जो लोग दूसरों के भरोसे
आगे बढ़ना चाहते हैं
वो हमेशा पीछे ही रह जाते हैं;
दूसरों से परामर्श लें
मदद कभी न लें।
सही बात है-
संसार के लोग और देवी-देवता
आपका साथ तभी देते हैं,
जब आप स्वयं पर भरोसा रखते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

कभी भी किसी के बारे में
न तो अधूरी बात कहना
न ही झूठी बात कहना,
क्योंकि
झूठी और अधूरी बातें
शस्त्र से भी अधिक
हानिकारक होती हैं।

सही बात है–

अधूरी बातें
बहुत–सी बातों को बिगाड़ देती हैं,
जीवन को उजाड़ देती हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

जब कोई सज्जनों को
उनकी गलती गिनाता है,
तो वो उसे स्वीकार करते हैं ;
लेकिन
जब कोई दुर्जनों को
उनकी गलती गिनाता है
तो वो प्रतिकार करते हैं।

सही बात है–

अपनी गलती स्वीकारना सज्जनता है,
अपनी गलती सुनकर
कुपित होना दुर्जनता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

जीवन में सर्वश्रेष्ठ गुण संतोष है,
संतोष
गरीब को अमीर बना देता है,
और
असंतोष
अमीर को भी गरीब बना देता है ;
इसलिये
लोभी न बनें, संतोषी बनें।

सही बात है-
अमीर वो नहीं
जिसके पास धन है,
अमीर तो वो है
जिसके पास संतोष है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

छल-कपट, धोखा-मायाचारी करनेवाले
मोर के समान होते हैं,
धोखेबाज लोग
देखने में सुंदर
बोलने में मधुर होते हैं,
किन्तु
मोर की तरह सर्प खानेवाले
दूसरों को दुःख देनेवाले होते हैं।
सही बात है-
अगर आपने
किसी को धोखा दिया है
तो आपसे बड़ा पापी कोई और नहीं है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

इस दुनिया पर
ज़्यादा भरोसा नहीं करना,
ये दुनिया कब, किस ओर, कैसे लुढ़क जाये
पता नहीं,
इसलिये
जो कुछ भी करना हो
अपने दृढ़ विश्वास के साथ करना
और
गुरु के दिखाये रास्ते को कभी नहीं छोड़ना।

सही बात है–
आप अपने आप पर विश्वास रखें
दुनिया पर नहीं
दुनिया तो मौसम की तरह है
कभी भी बदल सकती है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें

प्रगति

दूसरों से सम्मान की आकांक्षा न करें
आप तो सिर्फ
अपने व्यक्तित्व का निर्माण करें,
जिस दिन
आपका व्यक्तित्व निखर जायेगा
उस दिन से अपमान करनेवाला भी
सम्मान करते नज़र आयेगा।

सही बात है-

आम के पौधे को छोटे में हर
कोई अपेक्षित करता है
पर
वृक्ष बन जाने के बाद
उसी की छाया और
फल के लिये दौड़ता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

शत्रु का
प्रसन्न होना व रुष्ट होना बराबर है,
शत्रु आपको हमेशा
सब प्रकार से हानि ही पहुँचाता है ;
ध्यान रखें
शत्रु पर कभी भी विश्वास न करें।
सही बात है-
पीना चाहे ठंडा हो या गर्म
वह अग्नि को बुझा ही डालता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

थोड़ी सी संपत्ति पाकर
दुष्ट लोग अभिमानी हो जाते हैं,
लेकिन
बहुत सारा ऐश्वर्य पाकर भी
सज्जन लोग शान्त ही रहते हैं ;
संपत्ति बढ़ने पर अगर मान भी बढ़े
तो समझना
वह संपत्ति नहीं विपत्ति ही है।

सही बात है–

पैसा बढ़ना बुरा नहीं है
पैसों के साथ अभिमान का बढ़ना बुरा है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

दूसरों का बुरा सोचने से
कभी भी आपका
भला नहीं हो सकता है,
इसलिये
जिन्हें अपनी भलाई की इच्छा है
उन्हें दूसरों का भला करना चाहिये।

सही बात है-

जब आप किसी के ऊपर कीचड़ फेंकते हैं
तब आपके हाथों से बदबू आती है,
जब आप किसी के माथे पर चंदन लगाते हैं
तब आपके हाथों से सुगंध आती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

अच्छे दिनों के साथ
जब बुरे दिन आयें,
तो प्रभु-गुरु से शिकायत मत करना
उन बुरे दिनों को भी स्वीकारना ;
और यही सोचना
365 दिनों में 10-15 दिन
दु:खों के इसलिये आते हैं
ताकि हमें अच्छे दिनों की पहचान हो जाये।

सही बात है-
50 मीठे आमों के बीच
1-2 खट्टे आम इसलिये आते हैं,
ताकि आप खट्टे और मीठे का
अंतर समझ सकें...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

छोटी–छोटी बातों पर
ज़्यादा गौर करने वाले
हमेशा संक्लेशता में रहते हैं,
बड़ी–बड़ी घटनाओं को भी
नज़रअंदाज़ करनेवाले
हमेशा आनंद में रहते हैं;
अपनी रक्षा चाहनेवाले
कम याद रखते हैं
काम का याद रखते हैं।

सही बात है–

काम की बात हो तो याद रखें
काम की बात न हो
तो भूलने में देर न लगायें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

अपनी इस ज़िंदगी में
माता–पिता का ख्याल जरूर रखना,
क्योंकि
पिता ने आपकी जीत के लिये
अपना सब कुछ हारा है
और
एक माँ ही है
जिसे तुमने हर दु:ख में पुकारा है।
सही बात है–
जिसे अपने माता–पिता की
कद्र नहीं,
दुनिया उसकी कद्र कभी नहीं करती ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

सृष्टि ने हर इंसान को
सब कुछ बराबर दिया है,
मगर
जिसकी जैसी सोच रहती है
वो उतना आगे निकल सकता है;
मेरा मानना है
बड़ी सोच रखनेवाला
सबसे आगे निकल सकता है।

सही बात है–
नालों की सोच छोटी है
इसलिये वे छोटे रह जाते हैं,
नदियों की सोच ऊँची है
इसलिये वे समुन्दर बन जाती हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

डूबता है
तो पानी को दोष देता है,
गिरता है
तो पत्थर को दोष देता है,
इंसान सच में बड़ा अजीब है
कुछ नहीं कर पाता है
तो किस्मत को दोष देता है।
सही बात है–
इंसान अगर
दूसरों को दोष देना छोड़ दे,
तो उसे सफल होने से
कोई नहीं रोक सकता...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

मैंने इस जीवन में
ये अनुभव किया है
गरीब
अमीर होना चाहता है,
अमीर
सुंदर होना चाहता है,
कुँवारा
शादीशुदा होना चाहता है,
और
शादीशुदा कुँवारा होना चाहता है।
सही बात है-
इस दुनिया में
कोई भी संतुष्ट नहीं है,
इसलिये
सब दुःखी हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

जब तक
आप रुकते नहीं हैं
तभी तक
सफलता आपके पीछे चलती है,
निरंतर सफलता के लिये
कभी ये न सोचें
गति धीमी है या तेज़
हमेशा ये ही सोचें
दिशा सही है या नहीं।
सही बात है-
जिसका पुरुषार्थ और दिशा सही है
वह 100% सफल होता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

हर किसी को समझाना
स्वयं को
नासमझ साबित करने जैसा है,
इसलिये
उसे ही समझायें
जो आपको समझता हो।

सही बात है-

लोगों को समझाने में
समय नष्ट न करें,
लोग वो ही समझेंगे
जो वो समझना चाहते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

जो लोग
अच्छे कल का इंतज़ार करते हैं
उनका आज भी बिगड़ सकता है,
इसलिये
आज को जीना प्रारंभ करें
कल का इंतज़ार न करें;
वर्तमान सुंदर होगा
भविष्य भी तभी सुंदर होगा।
सही बात है–
कल का दिन किसने देखा है
आज का दिन भी खोये क्यों?
जिन घड़ियों में हस सकते हैं,
उन घड़ियों में रोये क्यों?...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

कुछ कर गुज़रने की लगन हो
तो असंभव दिखने वाले कार्य भी
संभव हो जाते हैं,
हमेशा याद रखना
दृढ़-इच्छाशक्ति के सामने
सारी विपत्तियाँ घुटने टेक देती हैं।
सही बात है-
साहस से बड़ा कोई मित्र नहीं होता,
यदि आपने ठान लिया
तो पहाड़ भी आपके लिये
कंकड़ के समान छोटा-सा है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

मैत्री सबसे करें
मगर
विश्वास सब पर न करें
विश्वास कुछ ही लोगों पर करें,
लेकिन कभी भी
बुरा किसी का भी न करें,
ध्यान रखें –
हर किसी पर विश्वास करने से
बड़ी हानि होने की संभावना है।
सही बात है–
आज–कल के लोग
विश्वास के पात्र बाद में हैं
पहले परीक्षा के पात्र हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

सोच बदलो
सितारे बदल जायेंगे,
नज़र बदलो
नज़ारे बदल जायेंगे,
बार–बार नाव बदलने से क्या होगा,
एक बार दिशा बदलो
किनारे बदल जायेंगे।

सही बात है–

अगर दिशा सही हो
तो ही सोच, किस्मत और परिश्रम
सार्थक होता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

अपना भविष्य बदलने के लिये
अपनी आदतों को बदलें,
क्योंकि
आपकी आदतें ही
आपका भविष्य बदलेंगी;
अपने भविष्य के निर्माता
आप स्वयं हैं।

सही बात है-

हाथ की रेखाओं को देखना बंद करो
अपने व्यक्तित्व का निर्माण करो,
आपका भविष्य अच्छा बनेगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

पढ़े–लिखे लोग
परिस्थितियों के हिसाब से
खुद को बदलते हैं,
अनुभवी लोग
अपने हिसाब से
परिस्थितियों को बदलते हैं;
इसलिये
पढ़े–लिखे होने के साथ–साथ
अनुभवी भी बनें।
सही बात है–
अनुभव शून्य ज्ञान
असफलता का सूचक है,
अनुभवी बनें सफल बनें...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

चिन्ता करने से आप
समय से पहले बूढ़े हो जाते हैं,
समय से पहले मर जाते हैं,
अपनी प्रज्ञा को नष्ट करते हैं,
अपने शारीरिक-मानसिक बल को भी
नष्ट करते हैं,
इसलिये
शत्रु के समान
चिन्ता से दूरी बनाकर रखें।

सही बात है-

सबसे ज़्यादा हानि
चिन्ता से होती है,
चिन्ता की बिदाई करें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

अपने हाथों की
टेढ़ी-मेढ़ी रेखाओं को देखकर
निराश मत होइये,
अपना नज़रिया बेहतर बनाकर
निरंतर मेहनत कीजिये,
हाथों की रेखायें
और आपका भाग्य
दोनों बदल जायेंगे।

सही बात है-
रूठी किस्मत को मनाने का
एकमात्र उपाय
निरंतर पुरुषार्थ है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

मेरे मित्रो !
माँ जो भी बनाये
उसे बिना नखरे किये
खा लिया करो,
क्योंकि
दुनिया में ऐसे भी लोग हैं
जिनके पास या तो खाना नहीं होता है
या माँ नहीं होती है।

सही बात है–
वस्तु और व्यक्ति की कीमत
उनके रहते–रहते कर लेना
उनके जाने के बाद सिर्फ पछतावा होता है ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

जो इंसान आपसे ज़्यादा प्यार करेगा
वो ही आपसे प्रतिदिन लड़ेगा,
लेकिन
जब आपका एक आँसू भी गिरेगा
तो उसे रोकने के लिये
वो सारी दुनिया से भी लड़ेगा;
ऐसा कोई और नहीं
आपका अपना ही होगा।
सही बात है-
बड़े झगड़े
प्रीति के अभाव में होते हैं
छोटे-छोटे झगड़े
प्रीति के कारण होते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

हमारे जीवन के
विकास की शुरूआत
हमारे विचारों से ही होती है,
इसलिये
कपड़े या चेहरे को
सुन्दर बनाने की अपेक्षा
विचारों को सुन्दर बनाने का प्रयास करें।
सही बात है–
सुंदर चेहरे या कपड़ों से
आपको कुछ ही लोग पसंद करेंगे,
विचारों की सुन्दरता से
आपको सभी लोग पसंद करेंगे ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

काम
कितना ही कठिन हो
पूरा जरूर होता है,
सही बात है-
रात कितनी ही
कठिन या लम्बी क्यों न हो
सूर्योदय जरूर होता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

सरलता से बढ़कर
दूसरा कोई सुख का साधन नहीं है,
यदि
पलकें झुकाकर जियोगे
तो लोग तुम्हें
पलकों पर बैठा लेंगे...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

गुज़र जायेंगे
ये दिन भी
थोड़ा धीरज तो धरो,
जब खुशियों के दिन नहीं रहे
तो ये गम के दिन क्या रहेंगे ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

जीवन मिलना
भाग्य की बात है,
मृत्यु होना
समय की बात है,
मृत्य के बाद भी
लोगों के दिलों में जीवित रहना
व्यवहार की बात है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

भाग्य के भरोसे मत बैठो
परिश्रम करो
फिर जो मिले
उसे भाग्य मानकर संतोष करो,
शान्त और आनंदमय
जीवन जीने की
यही सर्वश्रेष्ठ कला है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

ऊँचे-ऊँचे पर्वतों को
जब भी मैं देखता हूँ
तो मन में
एक ही आवाज़ गूँजती है,
ऊँचा बनना आसान नहीं
ऊँचाई को बनाये रखना भी
आसान नहीं ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

कई लोग
अपने सारे दर्द
सह लेते हैं,
मगर
ग़ज़ब की बात तो ये है
वो लोग दूसरे का
जरा-सा भी
बुरा सह नहीं पाते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

जब आप
सबकी बात नहीं मानते हैं,
तब आपको कोई हक नहीं है
ये सोचने का कि
सभी लोग आपकी बात मानें,
अगर हम
अपनी बातें अपने ऊपर ही लगायें,
तो ज़्यादा बेहतर रहेगा।

सही बात है-
अगर कोई दूसरा
आपकी बातें न मानें
तो शांत बैठें और नाराज़ी न रखें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

कहा जाता है
'माँ' का कर्ज
सात जन्मों तक नहीं उतारा जा सकता है,
मगर
'गुरु' का कर्ज
जन्मों-जन्मों तक नहीं उतारा जा सकता है,
गुरु और माँ के उपकारों को भूलना
सबसे बड़ा पाप है।
सही बात है-
जिन्होंने आपको
संकट काल में सहारा दिया है
उनके प्रति सदैव समर्पित रहें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

मुस्कुराहट
पैसों से नहीं मिलती
न ही चुराई जा सकती है
न ही उधार में
न ही भीख में मिलती है,
मुस्कुराहट एक कला है
जो आप अपने अंदर स्वयं पैदा करते हैं।
सही बात है-
मुस्कुराहट से
खर्च कुछ नहीं होता,
किन्तु इससे मिलता बहुत कुछ है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

हर वक्त हर मोड़ पर
लोग आपका साथ देंगे,
ऐसी उम्मीदें करना
खुद को निराशा देना ही है,
अपने साथी अपने सारथी
आप स्वयं बनें,
दूसरों से उम्मीद न करें।
सही बात है-
रावण ने उम्मीदें की थी
इसलिये निराश-हताश हुआ,
राम ने साहस किया था
इसलिये विजय का प्रकाश हुआ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

यदि आप
अपनी ही दी हुई
सलाहों को मानते हैं,
तो आप जीवन में अवश्य ही
सफलता की ऊँचाईयों को स्पर्श करेंगे;
यह कार्य कठिन है
असंभव नहीं,
सत्य है
रुचिकर नहीं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

कोई पूछे अगर
दर्द की कीमत क्या है?
तो हसकर कह देना,
ये मुफ्त में मिलता है
और
कुछ अपने ही इसे देकर जाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें

प्रगति

कुछ लोगों को
अपनी झूठी बातों पर ही
अड़े रहने दीजिये,
दुनिया में ऐसे
हज़ारों मूर्ख भरे पड़े हैं
जिन्हें बिल्कुल नहीं बदला जा सकता ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

जीवन के हर मोड़ पर
एक समस्या आती है
और
उसी मोड़ पर
एक समाधान भी मिलता है,
मगर इतना ध्यान रखें-
समाधान
शांत रहने पर दिखता है,
परेशान रहने पर तो
समस्या बढ़ती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

न सुख ज़िंदगी है
न दु:ख ज़िंदगी है
न खुशी ज़िंदगी है
न उदासी ज़िंदगी है,
जो-जो कुछ हमने किया है
उसी का हिसाब ज़िंदगी है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

कद्र कर लो उनकी
जो आपका ख्याल
बिना मतलब ही रखते हैं,
क्योंकि
ये स्वार्थ की दुनिया है
यहाँ ख्याल रखने वाले कम
तकलीफ देने वाले ज़्यादा रहते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

आपके अंदर
हज़ारों कमियाँ होने पर भी
हम खुद को चाहते हैं,
लेकिन
दूसरों के अंदर
कुछ कमियाँ होने पर भी
हम उन्हें नापसंद करते हैं,
ऐसा करना कहाँ तक सही है
स्वयं विचार करें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

मुसीबत
कभी भी
कहीं से भी आ सकती है,
इसलिये
हर किसी से
अच्छे व्यवहार बनाकर रखें,
क्या पता?
कौन, कब, कहाँ काम आ जाये...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

जीवन में मुश्किलें
पग-पग पर तमाम हैं,
फिर भी इस चेहरे पर
सदा ही मुस्कान है,
जब जीना ही है
हर हाल में हमें,
तो फिर मुस्कुराकर जीने में
क्या नुकसान है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

स्वयं में
बहुत सी गलतियाँ होने के कारण
जब मैं
स्वयं को नहीं छोड़ता हूँ,
तब दूसरों की
छोटी-मोटी गलतियों के कारण
मैं उन्हें कैसे छोड़ सकता हूँ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

कुछ ऐसा
अपना व्यक्तित्व बनायें
जैसा बनाया नमक ने,
दिखाई मत देना
मगर अपनी कमी का एहसास
दिलाते रहना ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

धोखा देना आसान है
धोखा सहना आसान नहीं है,
ये बात सब जानते हैं
फिर भी
धोखा देने से बाज़ नहीं आते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

दोस्त बहुत होते हैं
मगर
कुछ दोस्त
काँच और परछाई की तरह भी
होना चाहिये,
क्योंकि
काँच कभी झूठ नहीं बोलता
और
परछाई कभी साथ नहीं छोड़ती...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

कुछ लोग
देर से सफल होते हैं,
उनसे मेरा कहना है
निराश मत होना
घर जल्दी बनते हैं,
देर तो
महल बनने में लगती है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

यदि आप
किसी का उपकार करोगे
तो लोग आपको महत्त्व देंगे,
यदि आप
यह कार्य बंद कर देंगे
तो लोग आपको बदनाम कर देंगे...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

जब मित्र प्रगति करे
तो हमेशा कहना
वो मेरा मित्र है
और
जब वो मित्र मुश्किलों में हो
तो हमेशा कहना
मैं उसका मित्र हूँ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

ज़िंदगी में एक बात
कभी मत भूलना
गुरु बनाकर जीना,
गुरु न बनाये हों
तो ज़िंदगी को यूँ ही
खाली मत जीना,
गुरु बनाना
ज़िंदगी बनेगी,
सच्ची श्रद्धा होगी
तो किस्मत भी चमकेगी...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

निरंतर जीत के लिये
घड़ी को देखकर
समय बर्बाद मत करो,
बस वही करो
जो घड़ी करती है,
निरंतर चलते रहो
पुरुषार्थ करो...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

भले ही आप
बहुत समझदार क्यों न हों,
मगर
जब कोई समझदार
आपको सलाह दे
तो उसे भी स्वीकार करें;
कभी-कभी
समय खराब होने पर
समझ भी खराब हो जाती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

ज़िंदा रहती है चिड़िया
तो चीटियों को खाती है,
मर जाये अगर वो
तो चीटियाँ उसे खाती हैं;
मौका सबको मिलता है
अपनी-अपनी बारी का
इंतज़ार करो...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

जो लोग समझदार हैं
उनके लिये उनकी जुबान
रक्षा करने वाली है,
जो लोग समझदार नहीं हैं
उनके लिये उनकी जुबान
फाँसी देने वाली है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें

प्रगति

दीपक चाहे
राजा के महल में हो
या
गरीब की झोपड़ी में
रोशनी एक-सी ही देता है,
इसलिये
जीना ही है
तो दीपक की तरह जियो...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

खुशनसीब वो नहीं
जिसका नसीब अच्छा है,
खुशनसीब वो है
जो अपने नसीब से खुश है,
इसलिये
नसीब अच्छा करने में
लग जाइये
खुशनसीब बन जाइये ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें

प्रगति

तकदीर
लिखने वाले भी हम हैं
और
बदलने वाले भी हम ही हैं,
इसलिये
तकदीर में जो लिखा है
भगवान से कभी उसकी
शिकायत मत करना...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

हमेशा यही सोचें
जो मिला है मुझे
भाग्य से ज़्यादा ही मिला है;
यदि आपके पैर में
जूते नहीं हैं,
तो अफसोस मत करो,
कई लोगों के पास तो
पैर भी नहीं है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

नीयत कितनी भी अच्छी हो
आज की दुनिया
आपको दिखावे से ही जानती है,
दिखावा कितना ही अच्छा हो
आपके भगवान आपको
नीयत से ही जानते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें

प्रगति

इस जीवन का उद्देश्य
केवल खुश रहना नहीं है,
खुश रहने के साथ–साथ
उपयोगी,
सम्माननीय
और
संवेदनशील बनना भी
इस जीवन का उद्देश्य है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

जीवन में जब कभी भी
बुरे दिनों का
सामना करना पड़ जाये,
तब एक बात जरूर याद रखना –
दिन बुरा हो सकता है
जीवन बुरा नहीं है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

जिसकी सुबह अच्छी
उसका सारा दिन अच्छा,
जिसकी शाम अच्छी
उसकी सारी रात अच्छी,
जिसे गुरु अच्छे
उसकी सारी ज़िंदगी अच्छी ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

सफल होने पर
आकाश में उड़ मत जाना,
असफल होने पर
जमीन में धस मत जाना,
उठना-गिरना
ज़िंदगी में लगा रहता है,
उठने-गिरने के चक्कर में
ज़िंदगी को मत खो जाना...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

उसकी ऊँचाइयाँ देखकर
हैरान है दुनिया;
मगर
किसी ने उसके पैरों के
छाले नहीं देखे,
देखा है लोगों ने
उसकी धन-दौलत-शोहरत को
लोगों ने उसके इरादे नहीं देखे...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

बहुत ही अजीब है
हमारे मन का तर्क,
जब हम गलत होते हैं
तब हम समझौता चाहते हैं,
जब दूसरा गलत होता है
तब हम न्याय चाहते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

आशा अगर टूट जाये
तो हर अवसर में
कठिनाइयाँ दिखती हैं,
आशा अगर बन जाये
तो हर कठिनाई में
अवसर दिखते हैं;
नज़रिया होना चाहिये
औषध तो हर वनस्पति में है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

सब कुछ खो देना
पर
जो आपकी निगाहों से
आपकी जरूरतों को समझ जाये,
ऐसे इंसान को
कभी मत खो देना...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

तभी तक समझाना चाहिये
जब तक आपकी समझ है,
जब आप
नासमझ से होने लग जायें
समझाना बंद कर देना चाहिये...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

जो इंसान आपको
जितना ज़्यादा चाहेगा
वो आपसे
उतना ज़्यादा लड़ेगा,
लेकिन
जब आपका
एक भी आँसू गिरेगा
तब उसे रोकने के लिये
वो सारी दुनिया से लड़ेगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

मौसम बदल रहा है मित्रो !
अपना-अपना ख्याल रखना,
सुना है-
बदलता मौसम
और
बदलते लोग
बहुत तकलीफ देते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

प्रगति

पतझड़ में पत्ते जाते हैं
सावन में वापस आ जाते हैं,
इसलिये
बिना पत्ते के वृक्ष को देखकर
मुख मत मोड़ना,
आज वह सूखा है
कल हरा-भरा भी होगा;
दिन बदलते देर नहीं लगती ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

मित्र वो ही है
जो बिना आपको बदले
आपको स्वीकारे,
बदलकर स्वीकारना
मित्रता नहीं
सौदेबाजी है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

प्रगति

जो अपने संकल्प में
दृढ़ रहते हैं,
सफलता उनके
कदम चूमने के लिये
करबद्ध खड़ी रहती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

अनुभव से बढ़कर
दूसरा और कोई
ज्ञान नहीं है,
अनुभव ही विश्व की
सबसे बड़ी डिग्री है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

सम्मान के साथ
विष खाना ठीक है,
पर
अपमान के साथ अमृत पीना
बिल्कुल ठीक नहीं है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

पाप करने के बाद
यदि आपको
दुःख नहीं होता हो
तो आप दुनिया के
सबसे बड़े पापी हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रगति

जब भी
आपके अपने
पराये होते हैं
तो उसके चार ही कारण हैं-
क्रोध,
लोभ,
भय,
अथवा
मान...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर